



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 244]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 6, 2016/ज्येष्ठ 16, 1938

No. 244]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 6, 2016/ JYAISTHA 16, 1938

भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान

(संसद् के एक अधिनियम द्वारा गठित)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 2016

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. डीडी/ 3/एस/ आईएनएफ/11/ डीसी/232/2012.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (वृत्तिक और अन्य कदाचार के अन्वेषण और मामलों के संचालन की प्रक्रिया) नियम, 2007 के नियम 18(17) और 19(1) के साथ पठित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 [चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (संशोधन) अधिनियम, 2006 द्वारा यथा संशोधित] की धारा 21ख(3) के उपबंधों के निबंधनानुसार श्री डी. सुंदराराजन (सदस्यता सं.010150), चार्टर्ड एकाउंटेंट, डी.नं. 46/5-ए 1, मरीयाम्मन कोएल न्यू स्ट्रीट, थिरुगनानम नगर नं. 1, दादागापट्टी, सलेम – 636006 को अनुशासन समिति द्वारा पूर्वोक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची के भाग 1 के खंड (3) और खंड (7) और भाग 2 के खंड (1) के अर्थान्तर्गत आने वाले 'वृत्तिक कदाचार' का दोषी पाया गया और अनुशासन समिति ने यह आदेश दिया कि पूर्वोक्त श्री डी. सुंदराराजन (सदस्यता सं. 010150) के नाम को तीन (3) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए और साथ ही उन पर 1,00,000 (एक लाख) रुपए का जुर्माना भी अधिरोपित किया, जिसका अभी तक संदाय नहीं किया गया है। इसके अनुसरण में और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के साथ पठित पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री डी. सुंदराराजन (सदस्यता सं. 010150) का नाम तारीख 6 जून, 2016 से तीन (3) वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वी. सागर, सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./125]

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA**(Set up by an Act of Parliament)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 6th June, 2016

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. DD/3/S/INF/11/DC/232/2012.—In terms of the provisions of Section 21B(3) of the Chartered Accountants Act, 1949 [as amended by the Chartered Accountants (Amendment) Act, 2006], read with Rules 18(17) and 19(1) of the Chartered Accountants (Procedure of Investigations of Professional and Other Misconduct and Conduct of Cases) Rules, 2007, **Shri D. Sundararajan (Membership No. 010150), Chartered Accountant, D. No. 46/5-A 1, Mariamman Koil New Street, Thirugnanam Nagar No. 1, Dadagapatty, Salem – 636 006** has been held guilty of Professional Misconduct falling within the meaning of Clauses (3) and (7) of Part I and Clause (1) of Part II of Second Schedule to the aforesaid Act by the Disciplinary Committee which ordered for removal of the name of aforesaid Shri D. Sundararajan (Membership No. 010150) from the Register of Members for a period of three (3) years and also imposed a fine of Rs.1,00,000/- (Rupees One lac only) which does not stand paid as on date. In pursuance thereof and in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the aforesaid Act, read with Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that the name of said **Shri D. Sundararajan (Membership No. 010150), shall stand removed from the Register of Members for a period of three (3) years with effect from 6th June, 2016.**

V. SAGAR, Secy.
[ADVT.-III/4/Exty./125]